भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 4217
20 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्तन और सर्वाइकल कैंसर से मौतें

4217. श्रीमती हरसिमरत कौर बादल:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकारी लापरवाही के कारण वर्ष 2014-2023 की अवधि के दौरान पंजाब राज्य में स्तन और सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों में 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 31,879 महिलाओं की मौत हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में एचपीवी टीकों के बारे में उच्च लागत और कम जागरूकता की समस्या का समाधान करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(घ) यदि हां, तो उक्त राज्य में महिलाओं के लिए टीके को और अधिक सुलभ बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय कार्यान्वित किए गए हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) पंजाब में कैंसर का शीघ्र पता लगाने और महिलाओं में मृत्यु दर को कम करने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन सी विशिष्ट कार्यनीतियां कार्यान्वित की गई हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)-राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब में वर्ष (2014-2023) के दौरान स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामलों के कारण हुई अनुमानित मृत्यु दर निम्नानुसार है:

वर्ष 2014 से 2023 के दौरान पंजाब में कैंसर के मामलों की अनुमानित मृत्यु दर											
वर्ष	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	कुल
स्तन कैंसर के कारण अनुमानित मृत्यु दर	1972	2024	2079	2133	2189	2246	2303	2361	2421	2480	22,208
सर्वाइकल कैंसर के कारण अनुमानित मृत्यु दर	857	880	904	924	953	978	1003	1029	1056	1082	9,671

(ग) और (घ): "सर्वावैक" सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए भारत में तैयार किया गया पहला स्वदेशी

टीका है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम (यूआईपी) का भाग नहीं है।

पंजाब सरकार ने बठिंडा और मनसा जिलों में एचपीवी टीकाकरण संचालित किया है। इष्टतम स्क्रीनिंग परीक्षणों और उपचार उपकरणों के उपयोग को उत्प्रेरित करके गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से होने वाली मौतों को रोकने के लिए एक समन्वित प्रयास के रूप में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग परियोजना भी शुरू की गई थी। सभी जिला अस्पताल सर्वाइकल कैंसर के शीघ्र उपचार के लिए थर्मल एब्लेशन डिवाइस के साथ सज्जित हैं।

(ड): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत पंजाब सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए अवसंरचना के सुदृढीकरण, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा के उपयुक्त स्तर तक रेफर करने और जागरूकता सृजन पर विशेष बल दिया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित सामान्य गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। इन सामान्य एनसीडी की स्क्रीनिंग सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, 16 दिसंबर 2024 तक, पंजाब में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की कुल 4,03,165 महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर और 10,25,587 स्तन कैंसर के लिए जांच की गई है।

समुदाय में, अधिकृत सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आशाकर्मी पौष्टिक आहार, नियमित शारीरिक कार्यकलाप और तंबाकू और शराब से परहेज सहित, व्यक्तियों और परिवारों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व के बारे में शिक्षित करती हैं। आशाकर्मी घरों के दौरे, समूह बैठकों और स्वास्थ्य अभियानों में भागीदारी के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग, समय पर कार्यकलाप के जरिए शुरुआत में ही रोग की पहचान करने के महत्व पर जोर देती हैं।

इसके अतिरिक्त, गैर-संचारी रोगों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए किए गए उपायों में कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों से संबंधित स्वास्थ्य दिवसों का पालन, सामुदायिक जागरूकता जारी रखने के लिए इलैक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है। एनसीडी के लिए जागरूकता सृजन कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पंजाब राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उसने पंजाब राज्य में आम जनता और ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य कैंसर के शुरुआती संकेतों और लक्षणों के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया है। राज्य में सभी जन स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों में जांच शिविर मौजूद हैं। राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस प्रत्येक वर्ष सभी 23 जिलों में सभी स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों में मनाया जाता है। जन जागरूकता के लिए अन्य पहलों में साइकिल रैलियां, एफएम रेडियो संदेश और लघु संदेश सेवा (एसएमएस) शामिल हैं। पंजाब सरकार द्वारा दिनांक 17 नवंबर, 2024 को सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन दिवस मनाया गया और सभी जिला अस्पतालों में जांच कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, छात्राओं के लिए पुरस्कार वितरण के साथ पोस्टर बनाने के कार्यक्रम, सामान्य कैंसर की शीघ्र जांच के लिए जागरूकता सृजन हेतु पैम्फलेट, पोस्टर जैसी विभिन्न सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री का मुद्रण और वितरण किया गया।